Series BRH

कोड नं. **3/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 16 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं — क, ख, ग और घ ।

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

पाटलिपुत्र पहुँचकर यूनानी दूत मेगस्थनीज आचार्य विष्णुगुप्त से भेंट करने के लिए नगर की सीमा से बाहर स्थित उनकी कुटिया पर जब पहुँचा, तब शाम ढलने ही वाली थी, अँधेरा होने लगा था। मेगस्थनीज ने बाहर से ही देखा कि आचार्य अपने आसन पर बैठे कुछ काम करने में लगे हुए हैं। प्रकाश की व्यवस्था के लिए वहीं रखी एक तिपाई पर दीपक जल रहा था। मेगस्थनीज के द्वार के निकट पहुँचने पर आचार्य ने उसे भीतर आकर स्थान ग्रहण करने का संकेत किया और स्वयं अपने कार्य में तल्लीन रहे। कुछ समय के उपरांत इन्होंने अपना कार्य समाप्त करके जलता हुआ दीपक को बुझा दिया और पास ही रखा एक अन्य दीपक जला लिया। मेगस्थनीज सोचने लगा कि जब एक दीपक जल ही रहा था तो आचार्य ने उसे बुझाकर दूसरा दीपक क्यों जलाया ? उससे रहा नहीं गया और उसने आचार्य से इसका कारण पूछ ही लिया। आचार्य ने सहजता से कहा, 'तुम जब यहाँ आए, तब मैं जो काम कर रहा था, वह राज्य-व्यवस्था से संबंधित था और तब जो दीपक जल रहा था, उसका खर्च शासन-तंत्र उठाता है। लेकिन अब चूँकि वह कार्य समाप्त हो गया, इसलिए मैंने वह दीपक बुझा दिया। अभी जो दीपक मैंने जला रखा है उसके खर्च का वहन मैं अपनी आय से करता हूँ। मैं अपने व्यक्तिगत कार्यों के लिए राज्य के संसाधन का दुरुपयोग कैसे कर सकता हूँ ?'

मेगस्थनीज ने नैतिक ईमानदारी का ऐसा उदाहरण और कहीं नहीं देखा था। वह समझ गया कि मौर्य शासन का [illegible] उत्थान है।

(i) आचार्य विष्णुगुप्त कहाँ रहते थे ?
   (क) पाटलिपुत्र के भव्य भवन में।
   (ख) गाँव की एक मामूली झोंपड़ी में।
   (ग) नगर की सीमा से बाहर कुटिया में।
   (घ) मंत्रालय में बने आवास में।

(ii) मेगस्थनीज के सोच का कारण था
   (क) विष्णुगुप्त का कुटिया में निवास करना।
   (ख) उनका अत्यन्त व्यस्त रहना।
   (ग) एक दीपक बुझाकर अन्य दीपक जलाना।
   (घ) अपने कार्य को समय पर निकालना।

(iii) मेगस्थनीज़ ने आचार्य से क्या पूछा ?

(क) उनके स्वास्थ्य के बारे में ।

(ख) दूसरा दीपक जलाने का कारण ।

(ग) राज्य-व्यवस्था के बारे में ।

(घ) राज्य की प्रजा के विषय में ।

(iv) दीपक की घटना परिचायक है

(क) प्रशासक की कर्मठता की

(ख) प्रशासक की नैतिक उच्चताओं की ।

(ग) प्रशासक की कुशल प्रशासन शैली की ।

(घ) राज्य के प्रति समर्पित निष्ठा की ।

(v) 'दुर्गम' शब्द में उपसर्ग है

(क) दु

(ख) दुर्

(ग) दुर

(घ) दूर

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प लिखिए : 1×5=5

जीवन का कोई भी बड़ा सपना अथवा निर्णय नहीं होता । असफलताओं के हर रास्ते में कई मुश्किलों का आना तय है । हर बड़ी सफलता के पीछे अनेक छोटी-छोटी असफलताएँ छिपी रहती हैं । किसी बड़े पत्थर को तोड़ने के लिए कई प्रहार करने पड़ते हैं । अन्त में एक प्रहार ऐसा होता है कि वह पत्थर बड़े दो टुकड़ों में बाँट देता है । लेकिन क्या अंतिम प्रहार से पहले किए गए सारे प्रहार निरर्थक थे ? नहीं । भले ही पहले का हर प्रहार निरर्थक लगता हो लेकिन हर प्रहार सही तरह सार्थक था क्योंकि उन प्रहारों से ही अंतिम प्रहार की सफलता निर्धारित हुई थी । हर चोट ने मिलकर उस पत्थर को टूटने के अधिकाधिक नज़दीक ला दिया था । वास्तव में छोटी-बड़ी असफलताओं के बिना सफलता संभव ही नहीं ।

व्यक्ति अपनी सफलताओं से ज़्यादा असफलताओं से सीखता है । हर असफलता से हमें पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलता है । असफलता के बाद हम अपने कार्य अथवा पुनर्मूल्यांकन

नहीं बनती। असफलता आए बगैर हम रास्ता नहीं खोजते। असफलता ही हमें उपाय खोजने के लिए प्रेरित करती है, हमें चिंतनशील बनाती है, हममें धैर्य का विकास करती है। ठोकर खाने के बाद ही हम अपनी असफलता का कारण जानने का प्रयास करते हैं। इसके बाद ही नए सिरे से आगे बढ़ने के लिए अपनी क्षमता का विकास करते हैं।

जीवन की हर असफलता किसी बड़ी सफलता का आधार बनती है।

(i) बड़ी सफलता के पीछे असफलताएं छिपी रहती हैं, क्योंकि
 (क) दुनिया में फूलों के साथ काँटे भी होते हैं।
 (ख) रुकावटों को दूर करके ही आगे बढ़ा जाता है।
 (ग) जीवन का कोई भी मार्ग बाधा रहित नहीं होता।
 (घ) प्रत्येक कार्य में रुकावटें किसी न किसी रूप में आती ही हैं।

(ii) पत्थर पर पड़ने वाले आखिरी प्रहार सिद्ध करते हैं कि
 (क) छोटी-छोटी असफलताओं की बदौलत ही बड़ी सफलता मिलती है।
 (ख) बड़ा पत्थर लगातार चोटें पड़ने से ही टूटता है।
 (ग) हर बार ही अंतिम प्रहार को सफलता मिलती है।
 (घ) पत्थर एक प्रहार से नहीं टूट सकता

(iii) व्यक्ति सफलताओं से ज्यादा असफलताओं से अधिक सीखता है, क्योंकि
 (क) असफलताएं उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर देती हैं।
 (ख) सफलताएँ यह अवसर नहीं देतीं
 (ग) सफलता पाकर व्यक्ति निश्चिंत हो जाता है।
 (घ) असफलताएँ उसको सफलता के लिए प्रेरित करती हैं।

(iv) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है
 (क) सफलता का मार्ग
 (ख) सफलता और असफलता
 (ग) असफलताओं से प्रेरणा
 (घ) असफलता सफलता का आधार

(v) 'आधार' का समानार्थी शब्द है
 (क) आकार
 (ख) नींव
 (ग) बुनियाद
 (घ) जड़

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

मान लूँ मैं हार कैसे ?

देकर मुझको अहेतुक प्यार की मदिरा निशानी,
[illegible] और कहीं [illegible] में मेरी निशानी,
अब नहीं अपना प्रथम पग उठ गया चलती शिला पर,
टल गया तो क्या गिला, [illegible] पथ पर,
मान लूँ दुर्भाग्य को अपना प्रबल अभिशाप कैसे ?

आज अन्तर-ज्वाल मेरी कम नहीं, पथ जानती है,
[illegible] आगे मैं प्रलय की [illegible] बनना चाहती है,
चाहता मन सिन्धु-नभ-थल-गिरि-अचल की चोट लेना,
जिन्दगी मेरी कहीं पर भी न रुकना चाहती है,
मैं प्रलयंकर का पावक हूँ, सौंप दूँ हथियार कैसे ?

(i) लक्ष्य की ओर बढ़ते पथिक के मार्ग में बाधक नहीं है
(क) प्यार की मदिरा
(ख) मार्ग की बाधाएँ ।
(ग) दुर्भाग्य का अभिशाप ।
(घ) चलती शिला ।

(ii) उपर्युक्त पथिक हार न मानता हुआ चाहता है
(क) मदिरा द्वारा अन्तर की प्यास बुझाना ।
(ख) उत्साही जीवन में विनाश की हुंकार भरना
(ग) मार्ग की बाधाओं को हटाना ।
(घ) विश्व के मार्ग को प्रशस्त करना ।

(iii) पथिक किस पर विजय प्राप्त करना चाहता है ?
(क) पथ की बाधाओं पर ।
(ख) मरुभूमि जैसे उद्देश्यहीन जीवन पर ।
(ग) सागर, आकाश, भूमि और पर्वत पर ।
(घ) लक्ष्यहीन जीवन पर ।

(iv) मैं मरुस्थल का पथिक हूँ पंक्ति का आशय है

(क) मैं रेतीले मैदान का बटोही हूँ

(ख) मैं मुसाफिरों का नेता हूँ ।

(ग) मैं रेगिस्तानी मार्ग पर चलने का आदी हूँ

(घ) मैं जीवन की दुर्गम और बीहड़ राह का राहगीर हूँ

(v) 'मनुज-अधिकार' में समास है

(क) द्विगु

(ख) कर्मधारय

(ग) तत्पुरुष

(घ) बहुव्रीहि

4. नीचे लिखे पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

धूप के तपन खूब गहरे
कौन अपने देते का अन्न
पेड़ों ने दिया
धूप ने फलों को
फूलों को रंग
पेड़ों को हरा-भरा कर दिया ।
हमारी भीत कल्पना
गई थी जो नदियाँ
और पीठ वाली प्यारी शरीर को दिया
सहज तथा सुलगा का प्रबंध था
रख लिया आशीष चाह अपने
और बादलों के हल
मेल मीठे जल का बोलकर
नदियों को फिर बिलखने कर दिया ।

(i) पेड़ की सीख है

(क) सबको फल देना

(ख) धूप की तपन सहना

(ग) स्वयं कष्ट उठाकर सुख देना

(घ) जीवन का हित करना

(ii) बदले में धूप पेड़ों को देती है

(क) शीतल छाया

(ख) फूलों की सुगंध

(ग) पत्तों की हरियाली

(घ) शाखाओं की मजबूती

(iii) नदियाँ हजारों मील किसलिए चलती हैं ?

(क) प्राणियों की प्यास बुझाने के लिए ।

(ख) भूमि को उर्वर बनाने के लिए

(ग) सागर को मीठा जल देने के लिए ।

(घ) मरुस्थल को सरस करने के लिए

(iv) सागर नदियों का ऋण चुकाता है

(क) उनके खारे पानी को सोखकर

(ख) उनको खारे जल का उपहार देकर ।

(ग) मेघों के माध्यम से मीठा जल भेजकर ।

(घ) नदियों की बाढ़ का कारण बनकर

(v) कविता का संदेश है

(क) जैसे के साथ तैसा व्यवहार ।

(ख) उपकारी के प्रति सम्मान का भाव

(ग) उपकारी के प्रति सहज कृतज्ञता ।

(घ) [illegible] जीवन का अभिशाप ।

6. (i) जहाँ एक प्रधान उपवाक्य और एक या एकाधिक आश्रित उपवाक्य योजकों द्वारा जुड़े हों, उसे कहते हैं 1

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) जटिल वाक्य

(ii) नीचे लिखे वाक्यों में से मिश्र वाक्य छाँटिए 1

(क) वे भारत आए और 78 वर्ष की उम्र में कोलकाता स्वर्गवासी हो गए।

(ख) वे अक्सर माँ की स्मृति में डूब जाते थे।

(ग) उनको जितनी चिंता हिंदी की थी उतनी और किसी की नहीं।

(घ) शायद वह कार्य समाप्त करें या यहीं से चले जाएँ।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए : 1

(क) मैंने जब उन्हें देखा तब वे बीमार थे।

(ख) उन्होंने कोलकाता से बी.ए. किया और इलाहाबाद से एम.ए.।

(ग) कहीं कोशिश एक बार उन्होंने पाठ नहीं छोड़ा।

(घ) वे जिन दिनों भारत आये थे उन दिनों एक पारिवारिक रिश्ते में बंधे थे।

(iv) निम्नांकित वाक्यों में से मिश्र वाक्य चुनिए : 1

(क) हमारी गोष्ठियों में वे गंभीर बहस करते

(ख) वे बेबाक राय और सुझाव देते थे

(ग) उन्होंने कभी सोचा भी न था कि उनके आदर्श खंडित होंगे।

(घ) दिल्ली जाने पर वे मुझसे मिले।

6. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के पद-परिचय के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1×4=4

(i) उसने उनके <u>अनुकरणीय</u> जीवन को नमन किया ।

(क) विशेषण, परिमाणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(ख) विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(ग) विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(घ) विशेषण, संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(ii) उन्होंने <u>श्रद्धांजलि</u> अर्पित की ।

(क) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन ।

(घ) संज्ञा, द्रव्यवाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(iii) वे तो जब मर्ज़ी में आता घूम जाते ।

(क) क्रिया-विशेषण, कालवाचक, 'घूम जाते' का विशेषण ।

(ख) क्रिया-विशेषण, स्थानवाचक, 'घूम जाते' का विशेषण ।

(ग) क्रिया-विशेषण, रीतिवाचक, 'घूम जाते' का विशेषण

(घ) क्रिया-विशेषण, परिमाणवाचक, 'घूम जाते' का विशेषण ।

(iv) कौन आया मैंने पूछा ।

(क) सर्वनाम, प्रश्नवाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(ख) सर्वनाम, सम्बन्धवाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(ग) सर्वनाम, अनिश्चयवाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

(घ) सर्वनाम, निजवाचक, पुल्लिंग, एकवचन ।

7. (i) कर्मवाच्य कहते हैं 1

(क) जहाँ कर्ता प्रधान होता है ।

(ख) जहाँ कर्म प्रधान होता है ।

(ग) जहाँ भाव प्रधान होता है ।

(घ) जहाँ वाक्यांश प्रधान होता है ।

(ii) निम्नलिखित में कर्तृवाच्य वाला वाक्य चुनिए : 1

(क) उन्हें पुरस्कार भेंट किया गया है।

(ख) किस आधार पर ऐसा कहा गया है ?

(ग) आप इस स्थान का उल्लेख मत कीजिए।

(घ) उससे यहाँ बैठा नहीं जाएगा।

(iii) निम्नलिखित में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए : 1

(क) यह नाटक की एक उल्लेखनीय विशेषता है।

(ख) इस निबंध को पढ़िए और समझिए।

(ग) उसके विषय में जानकारी एकत्र की जाए।

(घ) वह रोगहीन है, उससे उठा नहीं जाता।

(iv) निम्नलिखित में से भाववाच्य वाले वाक्य का चयन कीजिए : 1

(क) वह प्रमाण निर्दिष्ट कर रहा है।

(ख) उससे यह काम समय पर पूरा न हो सकेगा।

(ग) अदालत में उसके नाम का उल्लेख किया गया।

(घ) आइए, बैठा जाए।

8. (i) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का चयन कीजिए : 1

(क) तुम देश का हित-चिंतन करो।

(ख) तुम जिस देश में रहते हो वह महान है।

(ग) अब आप बैठिए और मन लगाइए।

(घ) यह इस नगर का निर्देशन भवन है।

(ii) 'नेताजी ने देश के लिए सब कुछ त्याग दिया' — वाक्य का कर्मवाच्य होगा 1

(क) नेताजी से देश के लिए सब कुछ त्यागा गया था।

(ख) नेताजी द्वारा देश के लिए सब कुछ का त्याग कर दिया था।

(ग) नेताजी द्वारा देश के लिए सब कुछ त्यागा गया।

(घ) नेताजी द्वारा देश के लिए सब कुछ त्याग दिया गया।

(iii) अरे ! तुमने तो रेता बहा दिया ? रेखांकित का परिचय दीजिए। 2

(क) अव्यय, क्रियाबोधक

(ख) अव्यय, संबंधबोधक

(ग) अव्यय, समुच्चयबोधक

(घ) अव्यय, विस्मयादिबोधक

(iv) 'मधुप गुन-गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी ।' में कौन-सा अलंकार है ? 1

(क) उपमा

(ख) रूपक

(ग) यमक

(घ) अनुप्रास

9. (i) '[illegible] में ज्यों चन्द्र विलीन [illegible]' में अलंकार है 1

(क) उत्प्रेक्षा

(ख) उपमा

(ग) रूपक

(घ) श्लेष

(ii) प्रस्तुत काव्यांशों में 'यमक' अलंकार का उदाहरण छाँटिए : 1

(क) पहेली-सा जीवन है व्यस्त ।

(ख) दुख है जीवन-तरु के मूल ।

(ग) [illegible] ।

(घ) कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर ।

(iii) 'पीपर पात सरिस मन डोला' में कौन-सा पद 'उपमान' है ? 1

(क) पीपर पात

(ख) मन

(ग) सरिस

(घ) डोला

(iv) देखौ [illegible] वार-पार,
[illegible] मिल पिय पुहुँ [illegible] ।
काव्यांश में अलंकार है 1

(क) रूपक

(ख) उपमा

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) श्लेष

खण्ड ग

10. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

भारतरत्न से लेकर इस देश के ढेरों विश्वविद्यालयों की मानद उपाधियों से अलंकृत व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार एवं पद्मविभूषण जैसे सम्मानों से नहीं, बल्कि अपनी अजेय संगीतयात्रा के लिए बिस्मिल्ला खाँ साहब भविष्य में हमेशा संगीत के नायक बने रहेंगे। नब्बे वर्ष की भरी-पूरी आयु में 21 अगस्त, 2006 को संगीत-रसिकों की हार्दिक सभा से विदा हुए खाँ साहब की सबसे बड़ी देन हमें यही है कि पूरे अस्सी बरस उन्होंने संगीत को संपूर्णता व एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिंदा रखा।

(i) बिस्मिल्ला खाँ को प्राप्त सर्वोच्च सम्मान था

(क) पद्मविभूषण।

(ख) संगीत नाटक अकादमी का पुरस्कार।

(ग) विश्वविद्यालयों की मानद उपाधियाँ।

(घ) भारतरत्न।

(ii) बिस्मिल्ला खाँ लोगों के लिए संगीत के नायक क्यों बने रहेंगे ?

(क) शहनाई की मधुर आवाज़ के कारण।

(ख) अपने सुरों को सजाने की लगन के कारण।

(ग) भाईचारे की भावना को मज़बूत करने के कारण।

(घ) अजेय संगीतयात्रा के कारण।

(iii) बिस्मिल्ला खाँ की सबसे बड़ी देन है

(क) संगीत-रसिकों को आनंदित करना।

(ख) संगीत की शास्त्रीय परंपरा को बनाए रखना।

(ग) संगीत की पूर्णता एवं ज्ञान की इच्छा को जीवन भर जीवित रखना।

(घ) एक सच्ची इन्सानियत का उदाहरण पेश करना।

(iv) 'संगीत नाटक अकादमी' क्या है और कहाँ स्थित है ?

(क) दिल्ली में, संगीत और नाटकों का आयोजन करने वाली संस्था।

(ख) दिल्ली में, संगीतकारों एवं नाटककारों का एक संगठन।

(ग) नई दिल्ली में स्थित एक विश्वविद्यालय।

(घ) नई दिल्ली स्थित संगीत और नाट्यकला से संबद्ध संस्था।

(v) खाँ साहब की सबसे बड़ी देन हमें यही है कि पूरे अस्सी बरस उन्होंने संगीत को संपूर्णता व एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिंदा रखा। — प्रस्तुत वाक्य का प्रकार है

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) असाधारण वाक्य

अथवा

जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर आग का व सुई-धागे का आविष्कार हुआ, वह है व्यक्ति-विशेष की संस्कृति; और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ, जो चीज़ उसने अपने तथा दूसरों के लिए आविष्कृत की, उसका नाम है सभ्यता।

जिस व्यक्ति में पहली चीज़, जितनी अधिक व जैसी परिष्कृत मात्रा में होगी, वह व्यक्ति उतना ही अधिक व वैसा ही परिष्कृत आविष्कर्ता होगा। एक संस्कृत व्यक्ति किसी नयी चीज़ की खोज करता है, किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है।

(i) लेखक के अनुसार व्यक्ति-विशेष की संस्कृति का आशय है

(क) व्यक्ति विशेष के द्वारा की गई खोज।

(ख) व्यक्ति-विशेष के द्वारा उपयोगी वस्तुओं का अनुसंधान।

(ग) व्यक्ति-विशेष की तत्पर अभिलाषा जो खोज के लिए प्रेरित करती है।

(घ) आविष्कार करने वाली योग्यता और प्रवृत्ति।

(ii) सभ्यता नाम है उस वस्तु का

(क) जो खोजी गई है।

(ख) जो उपयोगी है।

(ग) जो दूसरों और संस्कृति द्वारा आविष्कृत है।

(घ) जो अपने आप में विशिष्ट है।

(iii) परिष्कृत सभ्यता कौन होता है ?

(क) जो अनोखी वस्तुओं की खोज करे ।

(ख) जो विशिष्ट पदार्थों का अनुसंधान करे

(ग) जो नई-नई चीज़ों की खोज करे ।

(घ) जो पूर्णतः परिष्कृत हो

(iv) वास्तविक संस्कृत व्यक्ति कहा जाता है उसको

(क) जो नई चीज़ की खोज करता है ।

(ख) जो अनोखी वस्तुओं का निर्माण करता है ।

(ग) जो पूर्वजों से प्राप्त वस्तुओं का परिष्कार करता है ।

(घ) जो विवेक के आधार पर किसी नए तथ्य का दर्शन करता है ।

(v) 'एक संस्कृत व्यक्ति किसी नई चीज़ की खोज करता है; किन्तु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है ।' प्रस्तुत वाक्य का आशय है

(क) सभ्यता

(ख) संस्कृति

(ग) शिक्षा

(घ) लेखक

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) फ़ादर की मृत्यु किस रोग के कारण हुई ? पाठ के लेखक ने उनके लिए इस रोग के विधान पर क्या टिप्पणी की है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'एक कहानी यह भी' की लेखिका ने अपनी माँ को व्यक्तित्वहीन क्यों कहा है ?

(ग) 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ के लेखक ने स्त्री-शिक्षा के विषय में जो विचार प्रकट किए हैं उन्हें अपने शब्दों में लिखिए ।

(घ) शहनाई की दुनिया में 'डुमराँव' को क्यों याद किया जाता है ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ङ) किन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ ? स्पष्ट कीजिए ।

12. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

नाथ संभुधनु भंजनिहारा । होइहि केउ एक दास तुम्हारा ॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही । सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई । अरि करनी करि करिअ लराई ॥
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ॥

(क) क्रोध के अवसर पर राम के स्वभाव की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 2

(ख) परशुराम ने 'सेवक' और 'शत्रु' किसको कहा है ? 2

(ग) 'सहसबाहु' कौन था ? 2

अथवा

एक के नहीं,
दो के नहीं,
ढेर सारी नदियों के पानी का जादू;
एक के नहीं,
दो के नहीं,
लाख-लाख कोटि-कोटि हाथों के स्पर्श की गरिमा;
एक की नहीं,
दो की नहीं,
हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुणधर्म ।

(क) फसल को उपजाने में नदी का क्या योगदान है ? 2

(ख) फसल में हाथों के स्पर्श का क्या महत्त्व है ? 2

(ग) फसल मिट्टी का गुणधर्म कैसे है ? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

(क) 'छाया मत छूना' कविता में 'मृगतृष्णा' किसे कहा गया है और क्यों ? 2

(ख) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को क्या क्या सीखें दी हैं ? 2

(ग) 'संगतकार' किसे कहते हैं ? 2

14. 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ को दृष्टि में रखते हुए स्पष्ट कीजिए कि एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरुपयोग रोकने में आपकी क्या भूमिका हो सकती है । 4

अथवा

जितेन नार्गे ने 'साना साना हाथ जोड़ि' की लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, भौगोलिक स्थिति और जनजीवन के बारे में जो जानकारियाँ दीं, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए ।

खण्ड घ

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निबंध लिखिए : 5

(क) **विद्यालय का वार्षिक उत्सव**

विद्यालय का जीवन, वार्षिक उत्सव का दिन, उत्सव का विवरण, आपकी भूमिका ।

(ख) **परिश्रम ही जीवन का आधार**

परिश्रम का महत्व, जीवन में उसकी उपयोगिता, भाग्यवाद का निराकरण ।

16. छोटे भाई को पत्र लिखकर मालूम कीजिए कि उसकी पढ़ाई कैसी चल रही है ? साथ ही उसे पढ़ाई के सम्बन्ध में कुछ उपयोगी बातें भी बताइए । 5

अथवा

अपने नगर के चिकित्सालय को देखने पर नर्सों की लापरवाही से आप बहुत दुःखी हुए । इस अव्यवस्था के प्रति चिकित्सालय के निदेशक का ध्यान आकृष्ट करते हुए एक पत्र लिखिए ।